सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

RNI No: UPHIN/2023/86769

www.swarajindianews.com

swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews

मूल्यः ₹02

स्वराज इंडिया

सांध्यकालीन समाचार पत्र

कानपुर, मंगलवार, 15 जुलाई, 2025
वर्षः 02, अंकः 190, पृष्ठः 8+4

50 दिन में बंद करो युद्ध, नहीं तो लगेगा 100 प्रतिशत टैरिफ

» Pg 12

इनसाइड सेवादारों की अलग चल रही वीवीआईपी दर्शन व्यवस्था... » Pg 03

फर्जी आईएएस बन 150 प्रधानों को ठगा

चित्रकूट से गिरफ्तार

आरोपी कई राज्यों में जगह बदल-बदल कर रह रहा था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

आजमगढ़। खुद को आईएएस और सूचना आयोग का अधिकारी बताकर यूपी के 150 ग्राम प्रधानों से ठगी के आरोपी पंकज यादव को आजमगढ़ की साइबर क्राइम पुलिस ने रविवार को चित्रकूट से गिरफ्तार कर लिया। पंकज यादव अपनी तैनाती राजभवन सचिवालय और नाम हर्षवर्धन सिंह राठौर (आईएएस) बताता था। पुलिस ने उसके पास से दो मोबाइल फोन और 3200 रुपये बरामद किए। पंकज यादव बाराबंकी के असंद्रा थाना क्षेत्र के नाथूपुर सूरजपुर रामसनेही घाट का निवासी है।

अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि 26 अक्तूबर 2024 को मुबारकपुर थाना क्षेत्र के गोछा गांव के प्रधान पति मो. आरिफ खान ने मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि उनके साथ राजभवन के सचिव हर्षवर्धन सिंह राठौर के नाम पर एक व्यक्ति ने 8.26 लाख रुपये की ठगी की है। पंकज की गिरफ्तारी के लिए उसके घर पर दबिश दी गई लेकिन वह नहीं मिला। पंकज कई राज्यों में जगह बदल-बदल कर रह रहा था। पुलिस ने उसकी लोकेशन पर नजर बनाए रखी। लोकेशन के आधार पर ही पुलिस ने रविवार को चित्रकूट से उसे गिरफ्तार किया। आरोपी ने सोनभद्र, आजमगढ़, अमेठी व बाराबंकी समेत अन्य जनपदों में 150 ग्राम प्रधानों से ठगी की है। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण चिराग जैन ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में आरोपी पंकज ने जानकारी दी है। उसने बताया कि एनआईसी की वेबसाइट से ग्राम प्रधानों और पूर्व प्रधानों की जानकारी जुटाता था। इसके बाद वह खुद को सूचना आयोग या राजभवन सचिवालय का अधिकारी बताकर प्रधानों को फोन करता और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतों की जांच के नाम पर धमकाकर रकम वसूलता था।

छांगुर बाबा की करीबी नीतू पर कसा शिकंजा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

» दोष सिद्ध, 8,55,398 रुपए की वसूली की आरसी जारी

» 29 जुलाई तक भुगतान नहीं तो संपत्ति की होगी कुर्की

बलरामपुर। तहसील उतरौला प्रशासन ने न्यायालय के आदेश के अनुपालन में ग्राम मधुपुर निवासी धर्मांतरण के आरोपी जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा की करीबी नीतू नवीन रोहरा पत्नी नवीन रोहरा के खिलाफ सख्त कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण में दोष सिद्ध होने के बाद 8,55,398 रुपए की वसूली के लिए आरसी जारी किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नीतू नवीन रोहरा पर पहले ही न्यायालय द्वारा दोष सिद्ध करते हुए जुमार्ना लगाया गया था। आरोपी द्वारा निर्धारित समयावधि में जुर्माना न चुकाने के कारण तहसीलदार द्वारा उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा 67 (1) के अंतर्गत वसूली प्रमाण पत्र निर्गत किया गया है। इस आदेश के तहत 8,55,398 रुपये की वसूली अभी भी शेष है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि आरोपी द्वारा 29 जुलाई 2025 तक राशि का भुगतान नहीं किया जाता है, तो उसकी अचल संपत्तियों की कुर्की की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

यह प्रमाण पत्र दिनांक 14 जुलाई 2025 को जारी किया गया। तहसीलदार कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, यह कार्यवाही न्यायालय द्वारा पारित आदेशों के आधार पर की जा रही है, जिसमें वसूली की प्रकिया को राजस्व नियमों के तहत पूर्ण किया जा रहा है।

शुभांशु वापसी पर बोले पीएम

आपने करोड़ों सपनों को प्रेरित किया

नई दिल्ली। भारत का बेटा शुभांशु शुक्ला 20 दिन अंतरिक्ष में बिताने के बाद आज धरती पर सकुशल लौट आया है। शुंभाशु शुक्ला और क्रू के अन्य सदस्यों को लेकर ड्रैगन स्पेसेक्राफ्ट का कैप्सूल प्रशांत महासागर में उतरा। पीएम मोदी ने शुभांशु शुक्ला के सकुशल धरती पर लौट आने पर खुशी जताते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें पीएम मोदी ने लिखा 'मैं पूरे देश के साथ ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला का स्वागत करता हूं।

कार्रवाई पुलिस को मादक पदार्थों के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद

इंस्टा स्टार भाविका चौधरी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

बाड़मेर। राजस्थान की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भाविका चौधरी को 150 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ बस में यात्रा करते समय गिरफ्तार किया गया। पुलिस को इस गिरफ्तारी से मादक पदार्थों के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा होने की उम्मीद है। भाविका सोशल मीडिया पर 83 हजार फॉलोअर्स के साथ एक लोकप्रिय चेहरा है। राजस्थान के जालौर जिले के सांचौर क्षेत्र में पुलिस ने एक चौंकाने वाली कार्रवाई करते हुए जानी-मानी सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर भंवरी उर्फ भाविका चौधरी को ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया है। यह गिरफ्तारी चितलवाना थानाक्षेत्र के सिवाड़ा चौकी पर उस समय हुई जब आरोपी महिला एक रोडवेज बस से गुजरात जा रही थी।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक महिला भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर गुजरात जा रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए सिवाड़ा चौकी पर तैनात कांस्टेबल कमलेश और लक्ष्मण ने रोडवेज बस को रोका और महिला की तलाशी ली। तलाशी के दौरान आरोपी के बैग से 150 ग्राम एमडी बरामद की गई, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी कीमत है।

जब आरोपी महिला की पहचान की गई तो सामने आया कि वह सोशल मीडिया पर एक चर्चित इन्फ्लुएंसर है। भंवरी उर्फ भाविका चौधरी के इंस्टाग्राम पर 83 हजार से ज्यादा फॉलोअर्स हैं और वह विभिन्न ट्रेंडिंग वीडियो और ग्लैमर कंटेंट के लिए जानी जाती है।

कांवड़ यात्रा

कांवड़ की आड़ में कानून को ठेंगा

श्रद्धा का नाम लेकर हिंसा करने वालों को नहीं मिलेगी माफी!

» सीसीटीवी से पहचान, 20 पर एफआईआर, पांच कांवड़िये जेल भेजे गए

» औरैया, कानपुर व फतेहपुर के युवकों की पहचान, अन्य की तलाश जारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

शिवराजपुर,बिल्हौर (कानपुर)।सावन के पहले सोमवार को शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर घाट पर गंगा स्नान के दौरान हुई अव्यवस्था अब कानूनी कार्रवाई की शक्ल ले चुकी है। श्रद्धा की आड़ में उन्मादी भीड़ ने थाने तक को निशाना बनाया। भीड़ ने शिवराजपुर थाना परिसर में घुसकर पुलिस पर हमला किया, सरकारी

संपत्ति को नुकसान पहुँचाया और गालियों से महकमा गूंजा दिया।

पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर 20 नामजद और कई अज्ञात उपद्रवियों के विरुद्ध मारपीट समेत कई गंभीर धाराओं में केस दर्ज कर 5 बवालियों को जेल भेज दिया है। बाकियों की तलाश में पुलिस जुटी है।

कैसे शुरू हुआ बवाल

रविवार रात गंगा घाट पर एक श्रद्धालु के गिरने के बाद श्रद्धा का चोला ओढे कुछ अराजक तत्वों ने श्रद्धालुओं में अफवाह फैलाई कि पुलिस की लाठी से वह घायल हुआ है।

देखते ही देखते श्रद्धालुओं का गुस्सा फूट पड़ा। स्काउट गाइड और सिपाही को पीटने के बाद भीड़ थाने तक पहुँच गई। थाने में जमकर हंगामा हुआ, कई शीशे तोड़े गए, पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की और गाली-गलौज की गई। पूरी घटना थाना परिसर में लगे सीसी कैमरों में कैद होती रही। जिसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। हालांकि आपका अपना स्वराज इंडिया अखबार वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

गिरफ्त में आए आरोपी, 5 को जेल भेजा गया

पुलिस ने बवाल करने वाले औरैया, फतेहपुर व कानपुर देहात के पांच कवड़ियों को हिरासत में लेकर नामजद किया। इनमें शिवम भदौरिया, धर्मेंद्र, कन्हैया, निखिल और रविंद्र के नाम शामिल हैं। पुलिस अन्य आरोपियों की पहचान वीडियो फुटेज से कर रही है।

जागेश्वर महादेव मंदिर में चांदी का द्वार भक्तों के लिए समर्पित

» निर्माण करने वाले कारीगरों को समिति ने किया सम्मानित

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। जागेश्वर महादेव प्रबंध समिति ने श्री जागेश्वर धाम, नवाबगंज, मैनावती मार्ग में 76 किग्रा चांदी से निर्मित द्वार और चौखट का सावन के प्रथम सोमवार को अनावरण किया। गर्भगृह के द्वार को बाबा को समर्पित किया गया। इसके लिए भक्तों से दान में चांदी मिली। इसका निर्माण लंबे समय से चल रहा था। इसके निर्माण में सीपीटी की लकड़ी का भी उपयोग किया गया है। श्रावण मास के प्रथम सोमवार को प्रबंधक सभा ने बाबा के गर्भगृह में चांदी जड़ित मुख्य द्वार का पूजन एवं अर्पण शिव भक्तों ने किया। इस पर करीब एक करोड़ का खर्च आया है। बाबा श्री जागेश्वर धाम के मुख्य द्वार पर भोलेनाथ के 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन भी शिव भक्तों को हुए। यहां प्रबंधक सभा के अध्यक्ष गिरिजा शंकर मिश्र, महामंत्री प्राण श्रीवास्तव, संयोजक जितेंद्र पांडेय, शिवम पांडेय, संजय दुबे,

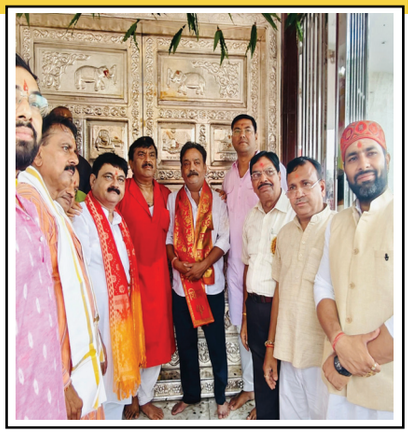

संदीप कंसल, राजा बाबू, जीतू पांडेय, शिवम पांडेय, नीरज गुप्ता, अरविंद गुप्ता और भारत भटनागर आदि मौजूद थे।

पनकी मंदिर: सशुल्क दर्शन से इतर सेवादारों की अलग चल रही वीवीआईपी दर्शन व्यवस्था

» पनकी पंचमुखी हनुमान मंदिर

» सड़क तक श्रद्धालुओं की कतार, अंदर गंदगी का अंबार

» अक्सर मंगल व शनिवार को सड़क तक लगती श्रद्धालुओं की कतार

» मंदिर के मुख्य भवन में गंदगी का अंबार

मुख्य संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। मशहूर पनकी पंचमुखी हनुमान मंदिर में वैसे तो हर रोज भक्तों की भीड़ रहती है, लेकिन मंगलवार और शनिवार को तो मानो श्रद्धालुओं का तांता ही लग जाता है। भीड़ का आलम यह होता है कि अक्सर लाइन बृहद मंदिर परिसर की सीमाओं को लांघकर बाहर सड़क तक पहुंच जाती है। इसका सबसे बड़ा कारण मंदिर में सेवादारों की कमी बताई जाती है। मंदिर सूत्रों का कहना है दोनों महंतों को मिलाकर मात्र 5-6 लोग ही गर्भ ग्रह में सेवा के लिए अधिकृत हैं, जिस कारण उमड़ रही भक्तों की भीड़ को सुलभ दर्शन करा पाना संभव नहीं हो पाता। वहीं बहुत से श्रद्धालुओं का आरोप है जब से 200 रुपए में वीआईपी दर्शन की व्यवस्था शुरू हुई है, तब से मंदिर में आम श्रद्धालुओं के लिए बाबा के दर्शन करना मुश्किल होता जा रहा है।

खास खबर

मंदिर के बगल के आंगन में बेतरतीब पड़ी गंदगी बता रही है कि जिम्मेदार अपनी जिम्मेदारी का किस प्रकार पालन कर रहे हैं। स्वयं के अहम् के शमन के लिए वार्षिक परंपरा रोक देने वाले, मांग न माने जाने पर आम लोगों से बाजार बंद करने का आवाहन करने वाले, पनकी मंदिर महंत को आम लोगों की यह दुश्वारियां क्यों नहीं दिखतीं, यह एक बड़ा प्रश्न है, जिसका उत्तर भक्तों को पनकी के दोनों महंतों को ही देना होगा।

सशुल्क वीआईपी दर्शन व्यवस्था से फैली अव्यवस्था

लंबे समय से लगातार आने वाले श्रद्धालुओं का कहना है कि लाइन पहले भी लगती थी? लेकिन जब से 200 रुपए में वीआईपी दर्शन की व्यवस्था लागू हुई है, तब से लाइन की लंबाई लगातार बढ़ती जा रही है। स्वराज इंडिया ने मंदिर में भक्तों की लग रही लंबी लाइन के संबंध में जब जानकारी जुटाई तो मंदिर का एक अलग ही प्रबंध तंत्र और एक अनूठा अर्थ प्रबंधन सामने आया! जिसे हम अलग बिंदु पर आपके समक्ष रखेंगे। मंदिर में लग रही लंबी लाइन मात्र उन श्रद्धालुओं तक सीमित नहीं है जो 200 रुपए की पर्ची नहीं कटा सकते बल्कि लाइन में उन्हें भी लगना पड़ता है जो 200 रुपए की पर्ची कटाते हैं। अंतर बस इतना है कि पर्ची कटाने वालों को 20-25 लोगों की लाइन में लगना पड़ता है और साधारण श्रद्धालुओं को मंदिर के बाहर सड़क तक लाइन में खड़ा होना पड़ सकता है।

सेवादारों और कार्यकर्ताओं का अलग वीवीआईपी दर्शन सिस्टम

जानकारों का कहना है कि मंदिर में दर्शन की उपरोक्त लिखित दो ही व्यवस्थाएं नहीं हैं। साधारण और सशुल्क वीआईपी दर्शन के अतिरिक्त भी सेवादारों और सेवा में लगे कार्यकर्ताओं ने अपनी एक अलग वीवीआईपी दर्शन व्यवस्था भी बना रखी है। सभी सेवादार और मंदिर व्यवस्था में लगे लोगों के पास भक्तों का अपना एक अलग समूह होता है, जो इन सेवादारों और कार्यकर्ताओं के माध्यम से बिना 200 रुपए की रसीद कटाए वीआईपी दर्शनार्थियों से पहले दर्शन भी प्राप्त कर लेता है। सूत्रों का कहना है इन वीवीआईपी दर्शनों में भक्त द्वारा प्रसाद के साथ चढ़ाया गया द्रव्य ,धन आदि सेवादार का हो जाता है और सूत्र इसका वाजिब कारण भी बताते हैं।

सभी सेवादार अवैतनिक

मंदिर के सेवादार हों या अन्य व्यवस्थाओं से जुड़े लोग मंदिर प्रबंधन की ओर से किसी को किसी भी प्रकार का वेतन या फिर अन्य मद में कोई धनराशि नहीं दी जाती है। जो सेवादार जिस समय सेवा दे रहा है उस समय भक्त द्वारा प्रसाद के साथ डलिया में जो भी रुपए रखे जाते हैं, वह उस सेवादार का हिस्सा होता है। रसीद द्वारा व दान पात्र में पहुंचा धन सीधे-सीधे महंतों के नियंत्रण में होता है। मंदिर में चढ़ने वाली सभी अन्य वस्तुएं भी महंतद्वय के अधीन होती हैं।

पनकी मंदिर के सेवादारों का अपना अलग ही अजब गजब है अर्थतंत्र

देश के सभी मंदिरों में यह व्यवस्था है। पनकी मंदिर में शुल्क सबसे कम है। अधिकारियों, पत्रकारों, प्रतिष्ठित लोगों और दिव्यांग जनों को मुफ्त में वीआईपी दर्शन कराते हैं।

महंत कृष्णदास, पनकी मंदिर

दर्शन करने आते हैं, उनकी जितनी मंदिर के प्रति आस्था है और महंतों के प्रति उनके मन में जो श्रद्धा भाव है, उसके सापेक्ष भक्तों की सुविधाओं के प्रयास नगण्य नजर आते हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि महंतों द्वारा भक्तों की सुविधाओं पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दिया जाता। शास्त्रों

सफाई कर्मी भी भगवान भरोसे

मंदिर प्रांगण में सुबह और रात को सफाई की जिम्मेदारी उठाने वाले भी वेतन विहीन कर्मचारी हैं। दरअसल लाख जतन करने के बाद भी फूल और अन्य पूजन सामग्री में कुछ रूपए पैसे पहुंच ही जाते हैं, सफाई करने वाले इसे अपना पारिश्रमिक मानें या भगवान द्वारा दिया गया प्रतिफल, यह उनके ऊपर है और कितना मिला यह उनकी तकदीर पर है।

एकमात्र वेतन भोगी कर्मचारी है चौकीदार

सूत्रों का कहना है मंदिर प्रबंधन की ओर से मात्र एक व्यक्ति को वेतन दिया जाता है और वह व्यक्ति है मंदिर का चौकीदार। बात अविश्वसनीय है लेकिन सूत्रों की बात यदि सही है तो इतने बड़े पनकी मंदिर की व्यवस्था में मात्र एक चौकीदार ही ऐसा है जिसे वेतन मिलता है। पनकी मंदिर जहां आम दिनों में हजारों भक्त में अनेक वर्णन, प्रसंग मिलते हैं जो हम संसारियों को बताते हैं कि भगवान के लिए उनके भक्त सबसे प्रिय हैं तो अपने आराध्य के दर्शनों के अभिलाषी भक्तों का दर्द इन महंतों को क्यों नहीं दिखता? मंदिर में सेवादारों की संख्या क्यों नहीं बढ़ाई जाती? मंदिर परिसर को साफ सुथरा रखने के प्रबंध क्यों नहीं किए जाते? अपने मान अपमान के लिए आम लोगों से दुकान बंद करने का आवाहन करने वाले महंत पनकी मंदिर में आम लोगों की तकलीफों को क्यों नहीं महसूस कर पाते? यह प्रश्न बहुत बड़े हैं और यदि मंदिर प्रबंधन इन प्रश्नों के उत्तर खोजने के प्रति गंभीर नहीं है तो यह जिम्मेदारी जिला प्रशासन पर आती है कि वह मंदिर की व्यवस्थाओं को चुस्त-दुरुस्त कर भक्तों को सर्व सुलभ दर्शन उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करे।देश के सभी मंदिरों में यह व्यवस्था है।

सांसद के आम महोत्सव में छाया रहा बुलडोजर और मोदी आम

कानपुर को अब मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट नहीं कहा जाएगा बल्कि स्वयं में मैनचेस्टर होगा

एकांश तिवारी स्वराज इंडिया

कानपुर । कानपुरवासियों के लिए सोमवार का दिन बहुत खास रहा जहां एक तरफ श्रावण मास का प्रथम सोमवार था जिसमें सभी शिव मंदिरों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे वहीं दूसरी तरफ शाम होते होते कनपुरियों का मिजाज ही बदल गया क्योंकि शाम को भाजपा के कानपुर नगर से संसद रमेश अवस्थी करा रहे थे आम महोत्सव, अब आम तो कनपुरियों को अतिप्रिय है उसमें भी तरह तरह के आम तो समझो कनपुरियों की शाम ही बन गई ।

» बुलडोजर नाम जैसा नाम वैसे ही इसकी उत्पादन की प्रक्रिया है

» मलिहाबाद के कदीम चंदन करते है उत्पादन मोदी मैंगो का

आम महोत्सम कार्यक्रम की शुरुआत शाम 5 बजे नानाराव पार्क फूलबाग से हुई । जिसका आयोजन भाजपा से संसद रमेश अवस्थी कर रहे थे । रमेश अवस्थी पिछले कई वर्षों से आम महोत्सव का कार्यक्रम दिल्ली और कानपुर में कराते चले आ रहे है । जिसका उद्देश्य भारतीय आमों की ख्याति को बढ़ाना और साथ ही किसानों को उनकी मेहनत का उचित मूल्य दिलाना भी था । इस वर्ष के महोत्सव में दशहरी, अवध अभ्या, अवध समृद्धि, वनराज, फजरी, बिंद्रा बानो, स्वर्ण रेखा, लखनऊ सफेदा, आम्रपाली, केशर, बुलडोजर सहित सैकड़ों आम की प्रजातियों को प्रदर्शित किया गया, जिसने स्थानीय किसानों, आगंतुकों और आम प्रेमियों का ध्यान आकर्षित किया। सांसद रमेश अवस्थी और मीडिया क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष सचिन अवस्थी ने दर्जनों आम उत्पादकों को सम्मानित किया, जो उनकी कृषि के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा । महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी को आकर्षित किया जिसमें मुख्य थी सानवी क्योंकि सानवी ने शिव स्तोत्रम पर नृत्य किया जिसे सांसद रमेश अवस्थी द्वारा पुरस्कृत किया गया

बुलडोजर आम के बारे में.....

कानपुर में आम महोत्सव में जगह जगह से नए नए तरीके के आम देखने को मिले जिसमें सबसे ज्यादा ख्याति पाने वाला आम था बुलडोजर आम जिसका उत्पादन सीतापुर शिबू चौधरी करते है । आम महोत्सव में प्रथम स्थान पा कर शिबू ने स्वराज इंडिया से बात करते हुए बताया कि जैसा इसका नाम वैसे ही इसके उत्पादन की प्रक्रिया है ।

मोदी मैंगो के बारे में ....

आम महोत्सव में एक और आम खास था जिसका नाम है मोदी मैंगो इसका उत्पादन करते है मलिहाबाद के कदीम चंदन ।आम महोत्सव में कदीम चंदन को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ ।

क्या बोले सांसद रमेश अवस्थी

कानपुर से शुरू हुआ आम महोत्सव अब आम नहीं रहा बल्कि खास हो चुका है जिसके हकदार कानपुर के ही लोग है ।

रमेश अवस्थी ने कहा कि हम लोग प्रयास करते रहते है कि कानपुर को चर्चा में रखे अभी आपने देखा कि ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम कानपुर ने सेना को नमन किया । कानपुर अब केवल मैनचेस्टर ऑफ ईस्ट नहीं होगा बल्कि स्वयं में मैनचेस्टर होगा ।

दीपू चौहान, जनता समेत कई ढाबों पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा

» शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर मंदिर मेला परिसर में छापेमारी

» 12 किग्रा रंगीन व अमानक खाद्य सामग्री नष्ट की

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर । शहर में शुद्ध एवं सुरक्षित खाद्य पदार्थों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से खाद्य सुरक्षा विभाग की टीमों द्वारा सघन निरीक्षण एवं छापेमारी अभियान चलाया गया। टीम द्वारा शिवराजपुर स्थित खेरेश्वर मंदिर मेला परिसर में छापेमारी कर 12 किग्रा रंगीन व अमानक खाद्य सामग्री नष्ट की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि खाद्य पदार्थों में मिलावट एवं अस्वास्थ्यकर सामग्री के उपयोग को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह अभियान आगे भी सतत रूप से जारी रहेगा।

इस दौरान चटनी 3 किग्रा, रंगीन नमक 2 किग्रा, रंगीन फिंगर चिप्स 3 किग्रा, रंगीन कबाब 2 किग्रा, रंगीन चटनी 2 किग्रा नष्ट की गई इस दौरान लगभग 250 मेलावासियों और खाद्य कारोबार संचालकों के मध्य ह्वश्वष्ट गतिविधियों के अंतर्गत खाद्य सुरक्षा जागरूकता फैलाई गई। खाद्य सामग्री को ढक कर रखने एवं स्वच्छता मानकों का पालन करने के निर्देश भी दिए गए।

शहर के अलग-अलग होटल में भी हुई छापेमारी

तिवारी ढाबा, भौती में रंगीन खाद्य पदार्थ के उपयोग पर चेतावनी दी गई। भण्डारित रंगीन खाद्य रंग को मौके पर नष्ट कराया गया और साफ-सफाई एवं कचरा प्रबंधन पर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एसडी होटल, चकरपुर में स्वच्छता बनाए रखने, बंद डस्टबिन के प्रयोग एवं कच्चे खाद्य पदार्थों के सुरक्षित भंडारण के लिए निर्देशित किया गया। शिवा ढाबा भौती, भदौरिया ढाबा चकरपुर, दीपू चौहान ढाबा, जनता ढाबा का निरीक्षण किया गया।होटल में फीडबैक के स्टीकर लगाए गएआयुक्त खाद्य सुरक्षा के कार्यालय द्वारा उपलब्ध ग्राहक संतुष्टि फीडबैक फूड सेफ्टी कॉन्टैक्ट एप के सिटिकर लगवाए गए। खाद्य कारोबार कर्ताओं को खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूक किया गया। साफ सफाई कचरा प्रबंधन अच्छे कच्चे माल के प्रयोग के लिए निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

काले धन पर लगाम लगाने की चुनौती

हालांकि, भारत पूरी दुनिया में डिजिटल लेनदेन के मामले में अग्रणी बना हुआ है और यहां दुनिया भर में होने वाले लगभग आधे रियल टाइम लेन-देन डिजिटल भुगतान के जरिये ही होते हैं। हालांकि, नकदी रहित अर्थव्यवस्था का सरकारी महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल करने के मार्ग में अभी तमाम बाधाएं विद्यमान हैं। लेकिन चिंता की बात यह है कि अभी भी अर्थव्यवस्था में नकली करेंसी की मौजूदगी बनी हुई है। केंद्रीय बैंक आरबीआई के गवर्नर ने एक संसदीय समिति को जानकारी दी है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान कुल छह करोड़ से ज्यादा नोटों में से पांच सौ रुपये के 1.18 लाख नोट नकली पाए गए हैं।

केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट बताती है कि इन नोटों की संख्या में एक साल में 37 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि हुई है। जो यह दर्शाता है कि कालाबाजारी करने वाले राष्ट्र विरोधी तत्व देश में मुद्रा की मांग का गलत फायदा उठा रहे हैं। विडंबना यह है कि राजस्व खुफिया निदेशालय द्वारा नोट में इस्तेमाल होने वाले आयातित कागज और नकली नोट छापने में शामिल ऑपरेटरों पर लगातार कार्रवाई के बावजूद यह गंभीर समस्या बनी हुई है। निस्संदेह, हाल के वर्षों में, भारत ने नकली नोटों की कालाबाजारी पर अंकुश लगाने व काले धन पर रोक के लिये डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने के लिये अपनी स्थिति खासी मजबूत की है। सरकार की सोच है कि काले धन पर रोक लगाने के लिए नगद लेन-देन को हतोत्साहित किया जाए।

निस्संदेह, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस यानी यूपीआई ने भारत के आर्थिक लेन-देन तंत्र में क्रांति ला दी है। भुगतान के तमाम विकल्पों ने भारतीय नागरिकों के आर्थिक व्यवहार को बहुत आसान बना दिया है। हालांकि, अभी भी ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो डिजिटल माध्यम से लेन-देन में परहेज करते हैं। निस्संदेह, नकदी पर उनकी निर्भरता का मूल कारण डिजिटल शिक्षा का अभाव ही है। साथ ही इसके कारणों में भ्रष्टाचार और कर चोरी की नीयत भी शामिल है। ऐसे में सरकार को डिजिटल खाई को पाटने की दिशा में रचनात्मक पहल करनी चाहिए। वहीं दूसरी आर्थिक अनियमितताएं करने वाले तत्वों से भी सख्ती से निबटा जाना चाहिए। हालांकि, दो हजार के नोट अब प्रचलन से बाहर हो चुके हैं, लेकिन उनका कानूनी आधार बना हुआ है। इस दिशा में यथाशीघ्र निर्णय लिया जाना चाहिए।

यह भी चिंता की बात है कि नोटबंदी के आठ साल बाद भी रियल एस्टेट क्षेत्र में काले धन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल बना हुआ है। निस्संदेह, डिजिटल युग में भी 'नकदी ही राजा है' मानने वालों को रोकने के लिये जांच और कानूनों को सख्ती से लागू करने की जरूरत है। साथ ही इस दिशा में भी गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने की कोशिश में लगी विदेशी ताकतों की नकली करेंसी के प्रसार में कितनी बड़ी भूमिका है। विगत में पाकिस्तान से ड्रग मनी व आतंकी संगठनों की मदद के लिये नकली करेंसी के उपयोग की खबरें सामने आती रही हैं।

प्रगतिशील सुधार आंदोलन बदलेगा सामंती सोच

डॉ. जगमति सांगवान

वर्ण व्यवस्था व पितृ सत्ता को खत्म करने के लिए जाति व लैंगिक भेदभाव के खिलाफ सत्याग्रह, संघर्ष, अभियान, आंदोलन चलाते हुए हमारे यहां नागरिक समाज का निर्माण हो। जहां इंसान की मानवीय गरिमा व लोकतांत्रिक अधिकार जाति, धर्म, लिंग भेद से ऊपर हों।सपनों के शहर मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में 25 वर्षीय राधिका यादव के सपनों का इतना दर्दनाक अंत बहुत ही झकझोर देने वाली घटना है। मिलेनियम सिटी, उसका सुशांत लोक संभवत- सबसे पाश इलाका। उसमें एक जानी-मानी टेनिस खिलाड़ी, उसके लाइसेंसी रिवाल्वर रखने वाले पिता के द्वारा किचन में काम करते हुए पीछे से 5 गोलियां दागकर हत्या।

इस अपराध का पूरा प्रोफ़ाइल हरियाणा में रियल-एस्टेट, बिल्डर, प्रॉपर्टी डीलर आदि के अनाप-शनाप धंधों से अच्छा खासा पैसा बनाकर तथाकथित आधुनिक जीवन जीने की लालसा रखने वाले तथा सामंती व पितृ सत्तात्मक विचारों से उस पर इज्जत का मुलम्मा चढ़ाने वाले लोगों के विखंडित व्यक्तित्व का कॉकटेल है। वैसे तो इज्जत के नाम पर ऐसी हत्याएं हमारे समाज की मुख्य धारा के लोगों की भी समस्याएं हैं, लेकिन भले ही इधर-उधर हाफले मारकर इन नवधनाढ्यों ने 21वीं सदी के अमीरों वाली सुविधा जुटा ली है परंतु मानसिकता अभी भी 18वीं सदी में खड़ी है। ये अपनी बीवी बेटियों को अपनी संपत्ति समझते हैं जिन्हें वह जैसे चाहें बरत सकते हैं। इनके जीवन-मूल्य सिविल सोसायटी या नागरिक समाज की संगति में नहीं बने-ढले। बल्कि सामंतवाद पर आरोपित पूंजीवादी आधुनिकता में रचे बसे हैं।हरियाणा की बेटियों को खेलों के माध्यम से ज्ञान (एक्सपोज़र) व ताकत दोनों मिले हैं वे भी न्याय के लिए शीर्ष राजनीति या पितृसत्ता से टकराते हुए ज्यादा आगे-पीछे की नहीं सोच रही। फिर चाहे वह शिक्षा डागर, विनेश फोगाट, साक्षी मलिक या राधिका यादव कोई भी हो। इस केस में क्योंकि पिता नवधनाढ्य वर्ग से आता है जो सोचते हैं 'हमने क्या-क्या जलालत झेलकर इनके लिए ये सुख-सुविधाएं जुटाई और आज यही आगे से जवाब देते हैं।' तो यहां एक अतिरिक्त असहिष्णुता का पुट भी है।

लेकिन खिलाड़ी लड़कियां, जिनके खेलों के माध्यम से सशक्त व्यक्तित्व बने हैं वो आसानी से हथियार डालते नजर नहीं आ रही।

हरियाणा की जूनियर कोच जिस पर पूर्व खेल मंत्री द्वारा यौन हमले का आरोप है उसने उसका दमन करने में कोई कोर कसर बाकी नहीं छोड़ी। उसके बावजूद आज तक कोर्ट में उसके सामने डटी खड़ी है। साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, संगीता फोगाट बिना आगे पीछे की परवाह किए यौन शोषण आरोपी भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण को बचाने वाली सरकार के खिलाफ सीधा जंतर मंतर पर जाकर धरने पर बैठ गई। वे बृजभूषण को सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे पर घसीट कर ले आई। यहां राधिका यादव के पिता ने भी जो मीडिया में आया है उसके हिसाब से कई बार उसे रील न बनाने व खेल एकेडमी बन्द करने का आदेश दिया। राधिका ने रील बनाना तो बन्द कर दिया मगर अपनी पसन्द का काम नहीं छोड़ा। वैसे भी किचन में काम कर रही राधिका पर पीछे से पीठ में गोलियां दागी हैं। शायद पिता को यह अंदेशा रहा हो कि अगर आमने-सामने होंगे तो मुमकिन है राधिका बच निकले या पलटवार करे।

हर बिहारी नागरिक का मताधिकार हो सुनिश्चित

चुनाव आयोजन

ज्योति मल्होत्रा

लोकतंत्र में सभी वयस्क नागरिकों को मतदान का अधिकार होना चाहिये। बिहार के लोगों को भी, जहां विस चुनाव से कुछेक माह पहले चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण का ऐलान किया। इसके समय व दस्तावेजों को लेकर विपक्ष की चिंताएं स्वाभाविक हैं। पुनरीक्षण में न पूरी होने लायक शर्तें नहीं लगानी चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला राहतकारी है।गत सप्ताहांत पंजाब के उन खेतों, कारखानों और घरों में राहत की सांस ली गई जहां प्रवासी बिहारी मज़दूर काम करते हैं। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और जॉयमाल्या बागची ने चुनाव आयोग को अपनी टिप्पणी में कहा है कि उसे मतदाता की पात्रता सिद्ध करने में आधार कार्ड, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र के इस्तेमाल की भी इज़ाजत देनी चाहिए ताकि नवंबर के अंत में होने वाले बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान के लिए जब वे कतार में लगें तो सांस अटकी न रहे।

यह कहना कि पंजाब-हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और देश के शेष हिस्सों का भी - बिहार चुनाव से संबंध है, स्वाभाविक बात है। बिहारी - और साथ ही उत्तर प्रदेश के लोग - पूरे उत्तर भारत में सब तरफ आमतौर पर दिखाई देते हैं। वे उन खेतों को जोतते हैं जो मुख्यतः पंजाबी कौम के हैं। वे कस्बों और शहरों में काम करते हैं और तमाम वे काम करते हैं, जो कनाडा की 'खोज' करने से पहले पंजाबी कभी खुद किया करते थे। किसी शख्स द्वारा उनके बारे में की गई आपत्तिजनक टिप्पणियों के बावजूद, हमारा उनके बिना गुजारा नहीं हो सकता।

इसीलिए हमें तीन दिन पहले सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस धूलिया और जस्टिस बागची द्वारा कही गई बातों पर कहीं ज्यादा ध्यान देना चाहिए। वह यह कि अगर भारत को सभी लोकतंत्रों की जननी का अपना खिताब कायम रखना है - जैसा कि उसने हिंसात्मक विभाजन के बाद 1951 में हुए पहले चुनाव आयोजन के बाद से करने का प्रयास किया है - तो उसे 18 साल से ज्यादा उम्र के सभी बिहारियों को वोट देने की अनुमति देनी चाहिए, जैसा कि वे पिछले दशकों में करते आए हैं।यह समझ से परे है कि चुनाव आयोग ने बिहार चुनाव सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की घोषणा करने में इतनी देर तक यानि 24 जून तक इंतजार क्यों किया। कुछ लोगों का कहना है कि चुनाव आयोग के ऐसा करने के पीछे कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा देश के एक अंग्रेजी समाचारपत्र में लिखे लेख में महाराष्ट्र में 'चुनाव में हेराफेरी' के बारे की गई तीखी टिप्पणियों से बनी उकसाहट है। (उस लेख में राहुल ने कहा कि अन्य मानदंडों के बीच, भाजपा ने जिन सीटों पर चुनाव लड़ा, उनमें से 89 प्रतिशत पर जीत हासिल की, जबकि केवल चार महीने पहले हुए लोकसभा चुनावों में उसे केवल 32 प्रतिशत सीटों पर ही विजय मिली थी)। वहीं कुछ अन्य को यकीन है कि चुनाव आयोग की घोषणा का समय महज एक संयोग था। बहरहाल, यह ऐलान आश्चर्यजनक था।शायद चुनाव आयोग का मानना हो कि यह समय एकदम उचित है। क्योंकि बिहार मतदाता सूचियों में आखिरी बार पुनरीक्षण 2003 में हुआ था और तब से लेकर अब तक पांच लोकसभा चुनाव हो चुके हैं। इसलिए तमाम चूकों और कमियों को संशोधित और दुरुस्त करने का सबसे उपयुक्त समय यही है।अगर ऐसा है भी, तब भी अड़चन पैदा करने वाली शर्तें क्यों ठोकनी? सर्वप्रथम, आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र (जिसे चुनाव आयोग खुद जारी करता है) और सर्वव्यापी राशन कार्ड को अमान्य बना दिया, जिसका कोई तुक नहीं। दूसरा, बिहार के 7.89 करोड़ मतदाताओं से विस्तृत जानकारी मांगना जैसे कि पिता और माता के जन्मस्थान को 'दस्तावेजी साक्ष्य' से सिद्ध करना। इससे लगने लगता है कि मानो चुनाव आयोग नागरिकता का प्रमाण मांग रहा हो। तीसरा, चुनाव आयोग ने घोषणा की है।

गीता टण्डन कपूर को मिला उत्तर प्रदेश रत्न सम्मान 2025

खेल और समाजसेवा में बेहतरीन योगदान के लिए हुआ सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। अंतरराष्ट्रीय टेबल टेनिस खिलाड़ी, वरिष्ठ आयकर अधिकारी और खत्री महासभा की राष्ट्रीय अध्यक्ष गीता टण्डन कपूर को उत्तर प्रदेश रत्न सम्मान 2025 से सम्मानित किया गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान उन्हें टेबल टेनिस में उनके असाधारण योगदान और देश के लिए अनेक पदक जीतने के उपलक्ष्य में प्रदान किया गया।

यह सम्मान समारोह नेशनल यूथ पावर एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें संगठन के फाउंडर व प्रेसिडेंट डा. अनिल कुमार और जनरल सेकेटरी श्री पुष्पेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से उन्हें यह सम्मान भेंट किया।

गीता टण्डन कपूर को यह पुरस्कार मिलने की खबर से कानपुर समेत उनके गृहजनपद में खुशी की लहर दौड़ गई। स्थानीय नागरिकों, खेल प्रेमियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इस उपलब्धि पर उन्हें बधाई दी।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में उन्हें फ्बिग इम्पैक्ट अवॉर्डफ् से भी नवाज़ा गया था।

गीता टण्डन कपूर ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर टेबल टेनिस में कई कीर्तिमान

स्थापित किए हैं।

वे एक कुशल खिलाड़ी ही नहीं, बल्कि एक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। वे लंबे समय से जरूरतमंद बच्चों

और गरीब परिवारों की सहायता में भी लगी हुई हैं, जिससे उनकी लोकप्रियता समाज के हर वर्ग में है।

इस सम्मान ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि खेल और समाज सेवा के क्षेत्र में गीता टण्डन कपूर एक प्रेरणास्रोत हैं और उत्तर प्रदेश का नाम रोशन कर रही हैं।

विद्यार्थी परिषद ने छात्र समस्याओं को लेकर सौंपा 11 सूत्रीय मांगपत्र

» चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि विश्वविद्यालय में समस्याओं का

» समाधान न होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर।चन्द्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय नवाबगंज कानपुर में व्याप्त अव्यवस्थाओं के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (वृक्षक) ने मोर्चा खोलते हुए कुलपति को 11 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा।

प्रमुख मांगों में छात्रावासों की बदहाल स्थिति, मेस की खराब व्यवस्था, छात्रवृत्ति वितरण में देरी और मूलभूत सुविधाओं की कमी शामिल हैं।अभाविप इकाई अध्यक्ष ने

कहा कि विश्वविद्यालय के हॉस्टलों में सीवर ओवरफ्लो, गंदा पानी, नियमित सफाई न होना जैसी समस्याएं छात्रों के स्वास्थ्य और पढ़ाई दोनों को प्रभावित कर रही हैं।

छात्र-छात्राओं ने बताया कि यदि पंखा या बल्ब खराब हो जाए तो बाहर से निजी मैकेनिक बुलाना पड़ता है क्योंकि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा कोई तकनीकी सुविधा उपलब्ध नहीं कराई जाती।इसके अलावा मेस का भोजन बेहद निम्न गुणवत्ता का है।

छात्रों का आरोप है कि दो सीटों का शुल्क लेकर तीन-तीन छात्रों को एक कमरे में ठूंसकर रखा जा रहा है, जो सरासर अन्याय

है।अभाविप महानगर मंत्री मयंक पासवान ने स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि कुलपति ने समस्याओं के निस्तारण के लिए सात दिन का समय मांगा है,

यदि इस अवधि में कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो विद्यार्थी परिषद विवश होकर उग्र आंदोलन करेगी।इस दौरान अभाविप के सैकड़ों कार्यकर्ता और छात्र मौजूद रहे, जिनमें प्रमुख रूप से उत्कर्ष, ज्ञानेन्द्र, सुधांशु, एल्विन, प्रभात, उत्कर्ष पासवान, दिव्य निगम, उपेंद्र, सुमित और गुंजन शामिल रहे।

स्वस्थ शरीर के लिए संतुलित पोषण जरूरी

» होप संस्था और मयूर ग्रुप के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे लोग

» 157 लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण, नि:शुल्क दवाएं और डाइट चार्ट वितरित

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर।स्वास्थ्य के क्षेत्र में सामाजिक जिम्मेदारी का निर्वहन करते हुए होप संस्था और मयूर ग्रुप द्वारा एक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं चिकित्सा परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर आईआईटी नानकारी के नालंदा हॉस्टल परिसर में लगाया गया, जिसमें बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों और श्रमिक वर्ग ने भाग लेकर स्वास्थ्य लाभ प्राप्त किया।शिविर का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और फीता काटकर किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. सत्येंद्र कटियार और स्वास्थ्य परामर्शदाता डॉ. अखिलेश कुमार वर्मा ने रोगियों की जाँच कर उचित परामर्श प्रदान किया।विशेषज्ञों ने बताया कि शरीर में प्रोटीन की कमी से मांसपेशियों, हड्डियों, बालों और त्वचा पर बुरा असर पड़ता है। सिर्फ भोजन नहीं बल्कि संतुलित पोषण ही अच्छे स्वास्थ्य की कुंजी है। उन्होंने आम जनमानस को नियमित स्वास्थ्य जांच और संतुलित आहार अपनाने की सलाह दी।होप संस्था के समन्वयक पंकज कुमार सिंह ने कहा, यह शिविर समाज के उन लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं

पहुँचाने का प्रयास है, जो साधनों के अभाव में इलाज नहीं करवा पाते। मयूर ग्रुप के सहयोग से ऐसे जनकल्याणकारी शिविर आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे।शिविर में डॉ. पवन कुमार आदर्श, विपिन पटेल, नर्सिंग अधिकारी खुशबू वर्मा, फार्मेसिस्ट जतिन कुमार, अनुज वर्मा, अमित शुक्ल, अवधेश मिश्रा और मयूर ग्रुप के प्रतिनिधि आशू दुबे ने अपनी सेवाएं दीं। कुल 157 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया और जरूरतमंदों को निःशुल्क दवाएं दी गईं।

चोरों का कहर: लगाई लाखों की सेंध

» गजनेर और मंगलपुर थाना क्षेत्र में चोरों ने बोला धावा, पुलिस के दावों की खुली पोल

» महिलाएं सदमे में, जेवर और नकदी समेत दस लाख से अधिक की चोरी

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिले में चोरी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। रविवार की रात गजनेर और मंगलपुर थाना क्षेत्र के चार अलग-अलग घरों में चोरों ने धावा बोला और करीब 10 लाख रुपये से अधिक की नकदी व कीमती जेवरात पार कर ले गए। इन वारदातों से ग्रामीणों में दहशत फैल गई है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि चोर इतने बेखौफ हैं कि खुलेआम वारदात करके चले जाते हैं और पुलिस महज़ आश्वासन देकर लौट जाती है। पुखरायां की 50 लाख की चोरी जैसे कई मामलों का अब तक खुलासा नहीं हो सका है, जिससे पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे हैं।

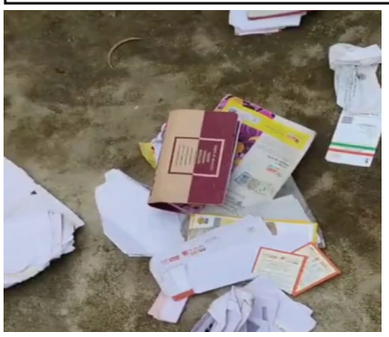

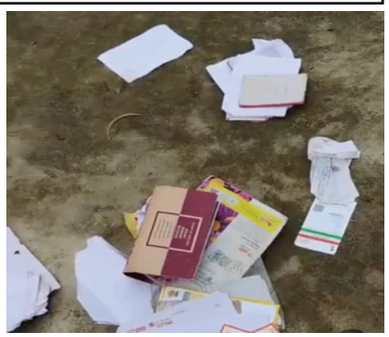

गजनेर क्षेत्र में चोरों ने घरों को बनाया निशाना

गजनेर क्षेत्र की वारदातों में सराय गांव के चंद्रवीर सिंह के घर को चोरों ने निशाना बनाया। परिवार उज्जैन दर्शन को गया था और दंपति बरामदे में सो रहे थे, तभी चोरों ने घर में घुसकर दरवाजा अंदर से बंद कर लिया और सभी अलमारियों और बक्सों को खंगालते हुए करीब 10 लाख रुपये के जेवर और नकदी उड़ा ले गए। वहीं, पास के ही मरदनपुर गांव में जवान रामकरन के घर में भी सेंधमारी हुई। वहां से चोर 5 हजार नकद, हार, मंगलसूत्र और अन्य जेवर ले उड़े। पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों की एफआईआर दर्ज कर ली गई है और टीमें गठित कर दी गई हैं।

मंगलपुर थाना क्षेत्र भी नहीं रहा चोरों से वंचित

मंगलपुर थाने की दो बड़ी चोरी की घटनाओं में बहवलपुर गांव के दिनेश के घर से 30 हजार नकद और भारी मात्रा में सोने-चांदी के जेवरात, जबकि उसी गांव के जीवन सिंह के घर से भी करीब 5 लाख रुपये के गहनों की चोरी की पुष्टि हुई है। दोनों मामलों में छत से दाखिल होकर चोरों ने बक्से तोड़कर जेवर चुराए। इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि जांच चल रही है और जल्द खुलासे का दावा किया जा रहा है। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि केवल एफआईआर से अपराध नहीं रुकते, पुलिस को ठोस कार्रवाई करनी होगी।

स्थानांतरण के बाद मलासा ब्लॉक में तीन सचिवों का भव्य स्वागत

» सरवनखेड़ा और अमरौधा से आए सचिवों ने ग्रहण किया कार्यभार

» पदभार ग्रहण के दौरान सहयोगियों ने किया माल्यार्पण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। (मलासा)। ब्लॉक मुख्यालय सरवनखेड़ा और अमरौधा में तीन वर्षों का सफल कार्यकाल पूरा करने के बाद स्थानांतरित होकर आए तीन ग्राम सचिवों का सोमवार को मलासा ब्लॉक में जोरदार स्वागत किया गया। सचिव रवि प्रताप सिंह, अर्जुन सिंह (सरवनखेड़ा से) और रवि अग्रवाल (अमरौधा से) ने मलासा ब्लॉक में पदभार ग्रहण किया।

इस दौरान ब्लॉक परिसर में मौजूद सभी सचिवों और कर्मचारियों ने माला पहनाकर नवागत सचिवों का सौहार्दपूर्वक अभिनंदन किया।

स्वागत समारोह में प्रभारी एडीओ पंचायत अमिता मिश्रा, एडीओ आईएसबी अमित पांडेय, ग्राम सचिव रिंकल सिंह, युवराज सिंह, राजीव द्विवेदी, अमरेश कुमार आदि शामिल रहे।

कार्यभार ग्रहण कार्यक्रम में सचिव सत्यम यादव, नीलू, अभिषेक कटियार, ज्योति रत्ना, सहित कई पंचायत सहायकगण भी उपस्थित रहे। सभी ने नवागत सचिवों को सहयोग व सौहार्द का भरोसा दिया और आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

तेल चोरों का साम्राज्य हिला, देशराज उर्फ़ टेशू का कच्चा चिट्ठा सामने

» पटरियों पर चलता है तेल चोरी का काला कारोबार, मास्टरमाइंड टेशू का पर्दाफाश

कानपुर में रेलवे ट्रैक बना डीजल माफियाओं का अड्डा, RPF पर संरक्षण का आरोप

रेलवे ट्रैक के किनारे चलता है डीजल लूट का धंधा, हजारों लीटर तेल की होती है चोरी

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रेलवे की मालगाड़ियों से डीजल चोरी का नेटवर्क किसी छोटे-मोटे गैंग से नहीं, बल्कि एक शातिर और पेशेवर अपराधी देशराज गौतम उर्फ़ टेशू द्वारा संचालित किया जा रहा है। कानपुर के पनकी, सचेंडी और मौती रेलवे ट्रैक पर रोज़ाना हजारों लीटर डीजल की चोरी इसी के इशारे पर होती है। टेशू पर पहले से ही 20 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं और हाल ही में वह बम कांड जैसे गंभीर अपराध में भी संलिप्त पाया गया था। डीजल लूट का सरगना न सिर्फ रेलवे सुरक्षा को धता बता रहा है, बल्कि टाटा पिकअप गाड़ी के ज़रिए चुराया हुआ डीजल खुलेआम सप्लाई भी करवा रहा है।

स्वराज इंडिया की स्टिंग में जो महज़ चोर दिखाई दे रहे हैं, अब उनके पीछे छुपा मास्टरमाइंड भी सामने आ गया है नाम है देशराज उर्फ़ टेशू। यह व्यक्ति पहले पतरसा क्षेत्र में डीजल चोरी करता था, लेकिन अब अपना अड्डा बदलकर रैपालपुर गांव में सक्रिय है और उसी पनकी-भौंती रेलवे लाइन पर अपना काला कारोबार चला रहा है। सूत्रों का दावा है कि जब तेल चोरी नहीं होती, तब ये शातिर चोर इसी पिकप गाड़ी से घरों के बाहर से सामान भी चुरा लेता है।

रेलवे ट्रैक के किनारे चलता है डीजल लूट का धंधा, हजारों लीटर तेल की होती है चोरी

कानपुर के पनकी और भीमसेन से गुजरने वाली रेलवे लाइन इन दिनों डीजल

रेलवे ट्रैक के किनारे झाड़ियों में मौजूद कट्टियां

20 से अधिक मुकदमों में वांछित तेल चोरी का सरगना देशराज उर्फ़ टेशू

माफियाओं का काला केंद्र बन चुकी है। हर दिन जब तेल से भरी मालगाड़ियां यहां खड़ी होती हैं, तभी शुरू होता है संगठित डीजल चोरी का खेल। स्वराज इंडिया की टीम जब मौके पर पहुंची, तो झाड़ियों में छुपे नीले रंग के खाली कट्टे, खुले टैंकर और भागते चोरों की तस्वीरें और वीडियो फुटेज सबकुछ बयां कर रहे थे। ग्रामीणों की मानें तो यह धंधा कोई नया नहीं है ये सालों से चल रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतनी बड़ी मात्रा में हो रही इस चोरी को देख आरपीएफ और स्थानीय पुलिस कैसे चुप बैठी है? क्या इन चोरों को इनका ही संरक्षण प्राप्त है?

तेल चोरी में RPF, गेटमैन और पुलिस की मिलीभगत का दावा डर के साए में ग्रामीण

स्थानीय ग्रामीणों ने दबी आवाज़ में बताया कि इस रैकेट को आरपीएफ के कुछ जवानों और इलाकाई पुलिस का संरक्षण प्राप्त है। यहां तक कि क्राइम स्पॉट के पास ही गेटमैन की तैनाती होती है, जो अदृश्य रूप से इस काले खेल का हिस्सा है। डीजल भरने वाले खाली कट्टे पहले से झाड़ियों में रखे जाते हैं, जिन्हें चोरी के बाद नदी में फेंक दिया जाता है। जो कोई आम नागरिक इस इलाके में पहुंचता है, उसे डराया-धमकाया जाता है, कभी-कभी मारा भी जाता है। गांववालों की मानें तो चोरों के पास अवैध असलहे तक हैं और इनकी शिकायत करने पर पुलिस ही शिकायतकर्ता को चुप करा देती है।

इसी पिकप से ढोया जाता है चोरी का तेल

टीबी उन्मूलन अभियान में डीएम ने 11 मरीजों को लिया गोद

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाने के लक्ष्य को सफल बनाने के लिए जिलाधिकारी जितेन्द्र प्रताप सिंह ने सराहनीय पहल करते हुए 11 क्षय (टीबी) रोगियों को गोद लिया है। मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने सभी मरीजों को पोषण पोटली वितरित की और छह माह तक उनके पोषण की जिम्मेदारी खुद उठाने का संकल्प लिया।

जिलाधिकारी ने अपने संबोधन में कहा कि टीबी जैसी बीमारी को हराने के लिए केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं, बल्कि जन सहभागिता और सामुदायिक जागरूकता की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि टीबी का समुचित इलाज संभव है और यह अब लाइलाज रोग नहीं रहा। समय पर दवा और संतुलित पोषण से मरीज पूरी तरह स्वस्थ जीवन जी सकता है।

पोषण पोटली में ये सामग्री दी गई

चना, दाल, गुड़, चिउड़ा, तेल और ड्राय फ्रूट्स

» पोषण पोटली वितरित, छह माह तक स्वयं वहन करेंगे पोषण की जिम्मेदारी

»जन सहभागिता से ही टीबी मुक्त भारत का सपना होगा साकार- डीएम

जैसे पौष्टिक आहार से युक्त पोषण पोटली मरीजों को दी गई, जिससे उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़े और वे जल्द स्वस्थ हों। जिलाधिकारी अगले छह महीनों तक निजी खर्च से यह पोषण सामग्री उपलब्ध कराते

रहेंगे।उन्होंने अपील की कि स्वयंसेवी संगठन, निजी चिकित्सा संस्थान, औद्योगिक इकाइयाँ और सामान्य नागरिक भी इस अभियान में सहभागिता निभाएं और टीबी मरीजों को गोद लें, ताकि इस बीमारी की जड़ें समाज से समाप्त की जा सकें।

इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुबोध प्रकाश यादव, एनटीईपी टीम के सदस्य, अन्य अधिकारी और लाभार्थी उपस्थित रहे।

टीबी मरीजों को ?2.33 करोड़ की आर्थिक सहायता

जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. सुबोध प्रकाश ने जानकारी दी कि निक्षय पोषण योजना के अंतर्गत जनपद के 14,546 क्षय रोगियों को दो माह की किश्त के रूप में कुल ?2.33 करोड़ की धनराशि उनके बैंक खातों में भेजी गई है।

प्रत्येक मरीज को ?1,000 प्रतिमाह की सहायता छह माह तक दी जाती है ताकि वे पौष्टिक आहार प्राप्त कर सकें।टीबी संबंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन- 1800-11-6666 — इस नि:शुल्क हेल्पलाइन नंबर पर मरीज अथवा परिजन टीबी से जुड़ी जानकारी और सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

शेरपुर में विकास ठप, प्रधान पर भेदभाव का आरोप

» गांव की गलियों में बजबजा रही गंदगी, टंकी का पानी बना सिरदर्द

» ग्राम पंचायत गुड़ा में सिर्फ प्रधान के गांव तक सीमित विकास कार्य

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात (मलासा)। ग्राम पंचायत गुड़ा के माजरा शेरपुर गांव के लोग आज भी मूलभूत सुविधाओं से जूझ रहे हैं। टूटी गलियां, जलभराव और जगह-जगह गंदगी के अंबार साफ दर्शाते हैं कि विकास यहां नाम मात्र का भी नहीं पहुंचा है। स्थानीय निवासी जितेन्द्र सिंह, संजय सिंह समेत अन्य ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में तैनात एकमात्र सफाई कर्मी को भी प्रधान ने हटवा दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रधान गांव को नजरअंदाज इसलिए कर रहे हैं क्योंकि शेरपुर से उन्हें अपेक्षित वोट नहीं मिला था। इसी वजह से विकास कार्य सिर्फ प्रधान के मूल गांव गुड़ा तक सीमित हैं, जबकि शेरपुर गांव बदहाली में पड़ा है।

गांव में पानी की निकासी नहीं, गंदगी बन गई स्थायी समस्या

शेरपुर की हालत ये है कि जयकुमार के दरवाजे से लेकर सुरेश दुकानदार और फिर राकेश के मकान तक की सड़क पर लगभग दो सौ मीटर तक हमेशा गंदा पानी जमा रहता है। गांव में मौजूद पानी की टंकी से होने वाली सप्लाई के कारण जलभराव और बढ़ जाता है, लेकिन ग्राम प्रधान ने आज तक इसकी निकासी का कोई समाधान नहीं किया है। ग्रामीणों ने कई बार शिकायत की, लेकिन न सफाई हुई, न ही कोई स्थायी उपाय।अब जबकि पंचायत चुनाव की सरगर्मी बढ़ रही है, गांव में चर्चाओं का दौर भी शुरू हो गया है। प्रधान के विकास कार्यों पर सवाल उठने लगे हैं और नए दावेदार मैदान में आने की तैयारी कर रहे हैं।स्वराज इंडिया अखबार जल्द ही गांव की हकीकत को आपके सामने लाने के लिए आपके दरवाजे तक पहुंचेगा। हमारा मकसद है सच्चाई दिखाना, ताकि हर गांव हो स्वच्छ और सुंदर। तैयार रहिए, हम आ रहे हैं आपके विकास की सच्ची तस्वीर लेकर।

इसी दलदल से निकलते हैं गांव के ग्रामीण

उम्मीद थी कि गांव की तस्वीर बदलेगी, लेकिन हालात तो जस के तस हैं।रविन्द्र भूरा कहते हैं, सरकार सख्त है, शासन-प्रशासन भी मुस्तैद दिखता है, लेकिन हमारे गांव की हालत देख लीजिए... पूछिए मत! ना कोई सुनने वाला है, ना ही देखने वाला। हम सालों से अपनी पीड़ा सुना रहे हैं, लेकिन कोई असर नहीं होता। अब तो लगने लगा है कि गांव की सुध लेने वाला कोई नहीं बचा।

गांवों में उड़ रही है स्वच्छ भारत मिशन की धज्जियां

गांव के बुजुर्ग चेतराम ने भावुक होते हुए कहा,लाला पत्रकार जी, आप भले गांव चले आए, अब गांव की असली तस्वीर अपने अखबार में जरूर दिखाइए। अगर आपने हमारी आवाज़ उठा दी, तो गांव के लोग उम्रभर आपका एहसान मानेंगे। हमने तो बड़ी उम्मीदें लगाई थीं कि कभी कोई बड़ा अफसर गांव आएगा, हालात देखेगा, लेकिन आज तक किसी ने गांव की तरफ़ झांकना तक ज़रूरी नहीं समझा।

क्या करें साहब, अब तो सारे अरमान ही टूट गए

गांव के राहुल सिंह ने मायूस होकर कहा, गांव का हाल आप खुद देख लीजिए। कागज़ों में हमारा गांव ब्लॉक का सबसे सुंदर गांव दिखाया गया है, लेकिन असलियत तो कुछ और ही है। ब्लॉक के बड़े अफसर कभी गांव का रुख नहीं करते। चुनाव नज़दीक आते ही नेता और प्रधान गांव में दिखने लगते हैं, वोट मांगने तो हर बार आते हैं बाकी पूरे समय इन्हें गांव की याद तक नहीं आती।

गांव के प्रदीप सिंह बोले– भैया, इस गांव की समस्या कोई नई नहीं है। बीते साल से हम लगातार बारिश, गर्मी और सर्दी हर मौसम में इसी जलभराव और गंदगी को झेल रहे हैं। हालात इतने खराब हैं कि अगर स्वास्थ्य विभाग ईमानदारी से जांच कराए, तो गांव में कई तरह की बीमारियां मिल जाएंगी। सरकार योजनाओं की बात तो बहुत करती है, लेकिन यहां हमारी सुनवाई तक नहीं होती। समस्या वहीं की वहीं खड़ी है।

पुलिस लाइन में मंगलवार को हुई परेड

फिटनेस पर ज़ोर और व्यवस्थाओं का निरीक्षण

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बाराबंकी। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) रितेश कुमार सिंह ने मंगलवार को रिजर्व पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउंड में परेड की

सलामी ली। इस दौरान उन्होंने उपस्थित पुलिसकर्मियों को शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने हेतु दौड़ कराई और अनुशासन एवं एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल कराई।

परेड के बाद अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस लाइन परिसर का निरीक्षण किया। उन्होंने बैरक, व्यायामशाला, सीपीसी कैंटीन, शस्त्रागार, परिवहन शाखा, आवासीय परिसर और भोजनालय की व्यवस्थाएं परखी।

भोजन की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।उन्होंने आदेश कक्ष में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों की जांच कर उन्हें अद्यतन रखने के निर्देश दिए। इस अवसर पर प्रतिसार निरीक्षक राजेश कुमार समेत अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

सीकरः खाटूश्यामजी दर्शन से लौट रहीं महिला श्रद्धालुओं से मारपीट, ऑटो ड्राइवर ने किराए के विवाद में जड़ा थप्पड

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

सीकर। जिले के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल खाटूश्यामजी का दर्शन करके आ रहे श्रद्धालुओं के साथ एक बार फिर मारपीट का मामला सामने आया है. खाटूश्यामजी में देशभर से लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए आते हैं, इस यात्रा का प्रमुख पड़ाव रींगस रेलवे स्टेशन होता है. यहां से श्रद्धालु निजी वाहनों के जरिये खाटूधाम पहुंचते हैं. ऐसे में आए दिन वाहन चालकों और दुकानदारों द्वारा श्रद्धालुओं से बदसलूकी और मारपीट की घटनाएं सामने आना चिंताजनक है.

खाटू श्यामजी में श्रद्धालुओं के साथ मारपीट की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं. ताजा मामला रींगस से सामने आया है, जहां चित्तौड़गढ़ से आई महिलाओं के साथ एक वाहन चालक ने छोटे बच्चे के किराए को लेकर मारपीट कर दी. यह घटना उस समय हुई जब महिलाएं दर्शन के बाद रींगस रेलवे स्टेशन लौट रही थीं. बताया जा रहा है कि तीन साल के बच्चे के किराए को लेकर शुरू हुए विवाद ने देखते ही देखते हिंसक रूप ले लिया.चित्तौड़गढ़ से आई सीमा और शबनम अपनी सहेलियों और बच्चों के साथ सोमवार रात खाटूश्यामजी दर्शन के लिए आई थीं. दर्शन के बाद मंगलवार सुबह वे निजी वाहन से रींगस रेलवे स्टेशन जा रही थीं, तभी वाहन चालक ने छोटे बच्चे के किराए को लेकर विवाद शुरू कर दिया. बात इतनी बढ़ गई कि चालक ने महिला को 5 से 7 थप्पड़ मार दिए, जिससे उसका मुंह सूज गया और वह घायल हो गई. इसके बाद महिलाओं ने भी आत्मरक्षा में चालक की पिटाई की और 112 नंबर पर पुलिस को सूचना दी.सूचना पर सब इंस्पेक्टर सुरेश कुमार मौके पर पहुंचे और कार्रवाई का आश्वासन दिया, लेकिन तब तक वाहन चालक वाहन लेकर फरार हो चुका था. पीड़ित महिलाओं ने कहा कि आज उनके साथ हुआ है, कल किसी और के साथ हो सकता है. उन्होंने प्रशासन से न्याय की मांग की और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए. घटनास्थल पर काफी देर तक हंगामा चलता रहा.

सवालों के घेरे में सरयू किनारे बनी पुष्प वाटिका ?

» गंगा किनारे सौंदर्यीकरण के नाम पर सजावटी ड्रामा?

» मुख्यमंत्री की मौजूदगी में शुरू हुई परियोजना में पारदर्शिता और सुरक्षा उपायों की कमी

» एनजीटी दिशानिर्देशों की भी अनदेखी का आरोप

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। पर्यटन को बढ़ावा देने और अयोध्या को अंतरराष्ट्रीय धार्मिक नगरी के रूप में सजाने-संवारने के उद्देश्य से सरयू किनारे बनाई गई 1.5 एकड़ की भव्य पुष्प वाटिका अब चर्चाओं और संदेहों के घेरे में है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्वयं इस वाटिका में पौधरोपण किया था, लेकिन अब यही योजना लापरवाही की दुर्गंध छोड़ रही है।

वर्ल्ड एनवायरनमेंट डे और श्रीराम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह जैसे शुभ अवसरों पर लॉन्च हुई यह वाटिका दिल्ली की गार्डन ग्लोरी ऑफ इंडिया नामक कंपनी को एडॉप्शन मॉडल के तहत सौंपी गई थी। लेकिन अब यह सवाल उठ रहे हैं कि क्या टेंडर प्रक्रिया पारदर्शी थी? क्या पर्यावरणीय मूल्यांकन हुआ? और क्या नदी कटाव से सुरक्षा के लिए कोई ठोस उपाय किए गए? इस वक्त सरयू नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और कटान की स्थिति गंभीर बनी हुई है। ऐसे में सोलर लाइटें, फूलों की क्यारियाँ, और अन्य नाजुक संरचनाएँ बिना रिटेनिंग वॉल या बोल्डर प्रोटेक्शन के केवल दिखावे के लिए हैं या दीर्घकालिक योजनाओं का हिस्सा?

कंपनी के प्रतिनिधि कौशलेंद्र अग्रवाल का स्वराज इंडिया को ह्वस्त्र दिया बयान

यह हमारा पहला अनुभव है। हमने नगर निगम से इसे एडॉप्शन मॉडल पर लिया है। यह अभी परीक्षण के चरण में है। अगस्त से जलस्तर घटेगा, तब रिटेनिंग वॉल बनाई जाएगी। दीपोत्सव तक काम पूरा होगा। सरकारी फंडिंग नहीं है, केवल जमीन दी गई है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ

नदी किनारे निर्माण कार्यों के लिए के पर्यावरणीय दिशा-निर्देशों का पालन आवश्यक होता है। लेकिन दस्तावेजों में ऐसे किसी अध्ययन या पूर्वानुमान का उल्लेख नहीं है। अगर सरयू की बाढ़ इस वाटिका को नष्ट कर दे तो इसकी जवाबदेही कौन लेगा? बिना तकनीकी विशेषज्ञता, पारदर्शिता और सुरक्षा के ऐसी परियोजनाएं अगर चलती रहीं तो यह केवल पर्यावरण संरक्षण की आड़ में पुष्प वाटिका जैसे हादसों की नई परंपरा बन जाएंगी।अब यह जरूरी है कि इस पूरे प्रकरण की स्वतंत्र जांच कराई जाए क्योंकि सरयू सिर्फ फूल नहीं बहाती, सबूत भी बहा सकती है।

गयासपुर पुलिस चौकी की चौखट पर बिकता इंसाफ!

» चौकी इंचार्ज पर घूस मांगने का आरोप

» वायरल ऑडियो से मचा हड़कंप,एसएसपी ने किया लाइन हाजिर

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या।जिले के तारुन थाना क्षेत्र स्थित गयासपुर गौरा पुलिस चौकी एक बार फिर विवादों में है। इस बार खुद चौकी इंचार्ज नरेन्द्र बहादुर सिंह पर जमीन संबंधी विवाद में पीड़ित से 30 हजार रुपये की घूस मांगने का सनसनीखेज आरोप सामने आया है। आरोप का आधार एक वायरल ऑडियो है जिसमें कथित तौर पर चौकी प्रभारी घूस की मांग करते सुनाई दे रहे हैं।पीड़ित शिवप्रसाद पांडेय ने इस मामले की शिकायत अयोध्या के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. गौरव ग्रोवर से की, जिसके बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चौकी इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने एसपी ग्रामीण को जांच सौंप दी है।सूत्रों के अनुसार, शिवप्रसाद पांडेय ने एक जमीन पर अवैध कब्जा हटवाने के लिए पुलिस से मदद मांगी थी, लेकिन बदले में चौकी इंचार्ज द्वारा पैसे की मांग की गई। वायरल ऑडियो में 30 हजार रुपये की मांग और कथित तौर पर बातचीत की पुष्टि करने वाले संवादों ने अयोध्या पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस घटना ने जिले में कार्यरत पुलिस अधिकारियों की निष्पक्षता और ईमानदारी पर एक बार फिर बड़ा प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। देखना यह होगा कि एसपी ग्रामीण की जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और क्या यह मामला सिर्फ लाइनहाजिरी तक सिमट जाएगा या कोई ठोस दंडात्मक कार्रवाई भी होगी।

अध्ययन के लिए अयोध्या पहुंचा कर्नाटक के पार्षदों का दल

» नगर निगम अयोध्या में महापौर एवं नगर आयुक्त ने दी नवाचारों की जानकारी

स्वराज इंडिया संवाददाता

अयोध्या। नगर निगम अयोध्या की कार्यप्रणाली एवं नवाचारों के अध्ययन के लिए कर्नाटक के हुबली धरवाड़ नगर निगम के पार्षदों एवं अधिकारियों का दल रामनगरी पहुंचा। नगर निगम कार्यालय में महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी एवं नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने दल का भगवान राम की मूर्ति एवं अंग वस्त्र भेंट कर स्वागत किया और उन्हें नगर निगम से जुड़ी जानकारियां दी।हुबली से अध्ययन के लिए अयोध्या आए दल में नगर नियोजन अधिकारी प्रज्ञानय प्रकाश, शंकर शिल्के, लक्ष्मी हिंदसागेरी, निलव्वा वाई. अरावल, शंबू गोंउंडा रुद्र गोउंडा सलमानी, शिवकुमार पी. रायगोउंडार, गणेश एम मुढ़ावेल, माननिया प्रसाद आदि शामिल थे। दल ने नगर निगम में अधिकारियों से मुलाकात कर अयोध्या में किया जा रहे नवाचारों की जानकारी प्राप्त की। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडे ने बताया कि इस दौरान उन्हें नगर की सफाई व्यवस्था, मार्ग प्रकाश व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था तथा निर्माण कार्य में किए जा रहे नवाचार की जानकारी दी गई। नगर आयुक्त ने वित्तीय तंत्र एवं कुशल शहरी शासन के मॉडल से दल को परिचित कराया। इस दौरान टीम ने नगर की सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के बारे में महापौर से खास जानकारी प्राप्त की। टीम ने हुबली में संपर्क अधिकारी की नियुक्ति के लिए नगर निगम में उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी हासिल की। इस मौके पर पार्षद विजेंद्र सिंह, अनुज दास, संतोष सिंह, , अनिल सिंह, अभय श्रीवास्तव, सलमान हैदर, धर्मेंद्र मिश्र, अपर नगर आयुक्त डॉ. नागेंद्र नाथ, सहायक अभियंता राजपति यादव, भाजपा नेता अभय सिंह आदि मौजूद रहे।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की पुतिन को धमकी

50 दिन में बंद करो युद्ध, नहीं तो लगेगा 100 प्रतिशत टैरिफ

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस यूक्रेन युद्ध रोकने की एक बार फिर डेडलाइन तय की है । ट्रंप ने कहा है कि इस बार अमेरिका रूस पर 100 फीसदी सेकेंडरी टैरिफ लगाएगा। उन्होंने कहा कि पुतिन अच्छे से बात करते हैं और फिर रात में बम गिरा देते हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को धमकी दी है। ट्रंप ने सोमवार को कहा कि अगर 50 दिनों के भीतर यूक्रेन में युद्ध समाप्त करने को लेकर कोई समझौता नहीं हुआ तो रूस पर कड़े टैरिफ लगाए जाएंगे।

रूस पर 100 प्रतिशत सेकेंडरी टैरिफ लगाएगा अमेरिका : ट्रंप ने कहा कि इस बार अमेरिका रूस पर 100 फीसदी सेकेंडरी टैरिफ लगाएगा। उन्होंने व्हाइट हाउस में नाटो महासचिव मार्क रूट के साथ ओवल ऑफिस बैठक के दौरान यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि मैं व्यापार का उपयोग कई चीजों के लिए करता हूं, लेकिन यह जंग को खत्म करने में अच्छा साबित होगा। मैं पुतिन को हत्यारा नहीं कहना चाहता, लेकिन वे एक कठोर व्यक्ति हैं।

ट्रंप बोले रात में लोगों पर बम गिराते हैं पुतिन : ट्रंप ने कहा कि मैं राष्ट्रपति पुतिन से निराश हूं, क्योंकि मुझे लगा था कि दो महीने पहले हम युद्ध खत्म करने का समझौता कर लेंगे। मुझे लगता था कि वो जो कहते हैं, वो करते हैं। वो इतनी खूबसूरती से बात करते हैं फिर रात में लोगों पर बम गिरा देते है। मुझे ये पसंद नहीं है। बताते चलें ट्रंप पहले भी सेकेंडरी टैरिफ की बात कर चुके हैं, जो रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर लगाए जाएंगे। नाटो महासचिव के साथ बैठक में ट्रंप ने यूक्रेन को हथियार सप्लाई करने की जानकारी दी, जिसमें पैट्रियाट मिसाइल सिस्टम भी शामिल है।

लगा सकते हैं प्रतिबंध

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पिछले हफ्ते भी कहा था कि वह पुतिन से खुश नहीं हैं और रूस पर अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध में बढ़ती मौतों पर निराशा जाहिर की थी।

वादा न कर सके पूरा

ट्रंप ने अपने चुनाव अभियान के दौरान युद्ध को जल्द खत्म कराने का वादा किया था। ट्रंप के अनुसार पुतिन ने शांति की बात तो की थी, लेकिन वे यूक्रेन के शहरों पर हमले भी जारी रखे हुए हैं।

नशे के कारोबार में बार-बार पकड़े गए तो लगेगा मकोका

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

महाराष्ट्र सरकार ने नशे के कारोबारियों पर शिकंजा कसने के लिए कड़ी कार्यवाही करने का मन बना लिया है। इसके साथ ही महाराष्ट्र सरकार गौतस्करी में लिप्त लोगों के लिए भी कठोर कानून बनाने पर गंभीर है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि बार-बार नशे से संबंधित अपराधों में लिप्त पाए जाने वाले आरोपियों पर अब मकोका लगाने का भी प्रावधान किया जाएगा।

विधानसभा में एक महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि राज्य में मादक पदार्थों की बिक्री में लिप्त ऐसे आरोपियों पर अब मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गनाइज्ड क्राइम एक्ट) लगाया जाएगा जो बार-बार गिरफ्तार होने के बावजूद जमानत पर रिहा हो जाते हैं। इसके लिए मौजूदा कानून में संशोधन किया जाएगा। मुख्यमंत्री फडणवीस ने यह आश्वासन एक सूचना का उत्तर देते हुए दिया।

16 वर्ष के अपराधियों को भी गिरफ्तार करने की तैयारी : सीएम फडणवीस ने कहा कि नशे के धंधे में नाबालिग बच्चों को शामिल कर उन्हें माध्यम बनाकर कानून की कमजोरी का फायदा उठाया जा रहा है। इस प्रवृत्ति पर रोक लगाने के लिए सरकार अब कानूनी परिभाषा में बदलाव कर 16 वर्ष की उम्र के आरोपियों को भी गिरफ्तारी के दायरे में लाएगी। बार-बार नशे से संबंधित अपराधों में लिप्त पाए जाने वाले आरोपियों पर अब मकोका लगाने का भी प्रावधान किया जाएगा, ताकि उन्हें सख्त सजा दी जा सके और जमानत पर बाहर निकलने का रास्ता बंद किया जा सके।

विदेशी अपराधियों को भेजेंगे उनके देश : सीएम फडणवीस ने यह भी कहा कि विदेशी नागरिक विशेष रूप से नाइजीरियाई मूल के लोग इन अपराधों में शामिल पाए जाते हैं। कानून के अनुसार, उन्हें उनके देश वापस भेजा जा सकता है। लेकिन वे छोटे-मोटे अपराध करके भारत में ही बने रहते हैं ताकि निर्वासन से बचा जा सके। इस पर केंद्र सरकार का ध्यान आकर्षित किया गया है और प्रस्ताव है कि उनके छोटे अपराधों को माफकर उन्हेंउनके देश वापस भेजा जाए।

गो तस्करी पर भी कठोर कानून की तैयारी

इससे पहले महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पंकज भोयर ने कहा था कि सरकार जल्द ही गो तस्करी पर अंकुश लगाने के लिए एक कानून लाएगी और ऐसे मामलों में बार-बार अपराध करने वालों पर कठोर महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) लगाया जाएगा।

दिव्यांगों का मजाक उड़ाने का मामला

समय रैना समेत पांच इंफ्लुएंशर पेश, दो हफ्ते का दिया समय

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। दिव्यांगों का मजाक उड़ाने के मामले में समय रैना समेत 5 सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में पेश हुए। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर्स को अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया। पीठ ने अगली सुनवाई में भी अदालत में पेश होने को कहा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने कुछ शारीरिक कारण से सोनाली ठक्कर को पेशी से छूट दे दी और उन्हें वर्चुअली सुनवाई में पेश होने का निर्देश दिया। सोशल मीडिया इंफ्लुएंशर्स को दो हफ्तों के भीतर अपना जवाब दाखिल करना होगा।

स्मार्ट संसद — **प्रत्येक सीट पर मल्टीमीडिया कॉन्फ्रेंसिंग डिवाइस स्थापित किए**

मॉनसून सत्र से सांसदों की लगेगी डिजिटल हाजिरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

नई दिल्ली। आगामी मानसून सत्र में भारतीय संसद तकनीक के उपयोग की दिशा में नया कदम उठाने जा रही है। इस सत्र से सांसदों को अपनी अटेंडेंस लगाने के लिए लॉबी में हस्ताक्षर करने नहीं जाना पड़ेगा बल्कि वो सीट से ही डिजिटल माध्यम से उपस्थिति दर्ज करवा सकेंगे। केंद्र सरकार का मानना है कि ये परिवर्तन न केवल समय की बचत करेगा बल्कि संसदीय कार्य को पारदर्शी और तकनीकी रूप से सशक्त भी बनाएगा। जानकारी के मुताबिक लोकसभा कक्ष में प्रत्येक सीट पर मल्टीमीडिया कॉन्फ्रेंसिंग डिवाइस (एमएमडी) स्थापित किए गए हैं।

एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार संसाधनों और समय की बचत के लिए एक नई सुविधा जोड़ी गई है। जिसके अंतर्गत अब सभी सांसद अपनी उपस्थिति अपने-अपने स्थान पर लगे एमएमडी के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इससे प्रतिदिन सांसदों का समय बचेगा और एक चरण की आवश्यकता समाप्त होगी। बताते चलें पहले सांसदों को हाजिरी के लिए लॉबी में जाकर रजिस्टर पर हस्ताक्षर करने होते थे। लेकिन नई व्यवस्था के तहत सांसद अपनी सीट पर बैठकर डिजिटल माध्यम से उपस्थिति दर्ज कर सकेंगे। हालांकि फिलहाल रजिस्टर की व्यवस्था खत्म नहीं की गई है।

संसद के दस्तावेज एआई तकनीक से 12 भाषाओं में होंगे प्रकाशित : इसके साथ साथ भाषाई समावेशन और नागरिक सहभागिता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

लोकसभा सचिवालय अब से संसद के दैनिक कार्यसूची दस्तावेज़ों को एआई आधारित टूल्स की सहायता से 12 भाषाओं में प्रकाशित कर रहा है। ये भाषाएं हैं -असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, तमिल और तेलुगू। ये दस्तावेज़ डिजिटल संसद पोर्टल पर रियल-टाइम में उपलब्ध कराए जाते हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार पारंपरिक रजिस्टर फिलहाल हटाए नहीं जाएंगे, लेकिन सांसदों को डिजिटल तरीके से उपस्थिति दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।